

संस्कृत विभाग
 जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
 M.A. in Sanskrit
 पाठ्यक्रम संरचना
 (Academic Year 2017-18 Onwards)

सेमेस्टर	पत्र क्रम	विवरण
1.	प्रथम पत्र	वैदिक वाङ्मय-ऋक्सूक्त, वैदिक व्याकरण एवं निरुक्त
	द्वितीय पत्र	साहित्यशास्त्र : साहित्यदर्पण
	तृतीय पत्र	साहित्य : मुद्राराक्षस, मेघदूत
	चतुर्थ पत्र	भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता
2.	पञ्चम पत्र	दर्शन : न्याय एवं वेदान्त
	षष्ठ पत्र	व्याकरण : लघुसिद्धान्तकौमुदी
	सप्तम पत्र	साहित्य : नैषधीयचरितम्, उत्तररामचरितम्
	अष्टम पत्र	संस्कृत साहित्य सर्वेक्षण
3.	नवम पत्र	भाषाविज्ञान
	दशम पत्र	साहित्य: कादम्बरी
	एकादश पत्र	विकल्प (१) : वैदिक वाङ्मय
		विकल्प (२) : साहित्यशास्त्र: काव्यप्रकाश
		विकल्प (३) : दर्शनशास्त्र
		विकल्प (४) : व्याकरण
		विकल्प (५) : आधुनिक संस्कृत साहित्य
	द्वादश पत्र	विकल्प (१) : वैदिक वाङ्मय
		विकल्प (२) : साहित्यशास्त्र: ध्वन्यालोक १-२ उद्योत
		विकल्प (३) : दर्शनशास्त्र
		विकल्प (४) : व्याकरण
		विकल्प (५) : आधुनिक संस्कृत साहित्य
4.	त्रयोदश पत्र	निबन्ध और अनुवाद
	चतुर्दश पत्र	भारतीय इतिहास दृष्टि एवं कालविज्ञान
	पञ्चदश पत्र	विकल्प (१) : वैदिक वाङ्मय
		विकल्प (२) : साहित्यशास्त्र : वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष)
		विकल्प (३) : दर्शनशास्त्र
विकल्प (४) : व्याकरण		
विकल्प (५) : आधुनिक संस्कृत साहित्य		

	षोडश पत्र	विकल्प (१) : वैदिक वाङ्मय का सर्वेक्षण
		विकल्प (२) : संस्कृत साहित्यशास्त्र का सर्वेक्षण
		विकल्प (३) : दर्शनशास्त्र का सर्वेक्षण
		विकल्प (४) : व्याकरणशास्त्र का सर्वेक्षण
		विकल्प (५) : आधुनिक संस्कृत साहित्य का सर्वेक्षण

संस्कृत विभाग
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
M.A. in Sanskrit
पाठ्यक्रम विवरण
(Academic Year 2017-18 Onwards)

सेमेस्टर-01: प्रथम पत्र		आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क
वैदिक वाङ्मय-ऋक्सूक्त, वैदिक व्याकरण एवं निरुक्त		
इकाई ०१:	ऋक्संहिता : अग्निमित्रावरुण (१.३५), रुद्र (१.११४), विष्णु (२.१५४), उषस् (३.६१), सवितृ (५.३८), सोम (९.८३), ज्ञान (१०.७१), धनान्नदान (१०.११७), हिरण्यगर्भ (१०.१२१), दुःस्वप्ननाशन (१०.१६४)	२०
इकाई ०२:	वैदिकव्याकरण: वैदिक सन्धि (आन्तरिक एवं बाह्य), शब्दरूप एवं धातुरूप, तुमर्थकप्रत्यय, त्वार्थक प्रत्यय, वैदिक स्वर एवं पदपाठ	२०
इकाई ०३:	निरुक्त : अध्याय-१	२०
इकाई ०४:	निरुक्त : अध्याय-२	१५
मूलग्रन्थ: <ol style="list-style-type: none"> १. ऋक्सूक्त संग्रह, हरिदास शास्त्री (सम्पा.), साहित्य भण्डार, मेरठ २. ऋक्भाष्य संग्रह, देवराज चानना (सम्पा.), मुंशीराम मनोहरलाल, दिल्ली, १९८३ ३. ऋग्वेद संहिता, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली, २०१३ ४. निरुक्त-यास्क, उमाशंकर शर्मा 'ऋषि' (सम्पा.), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी सहायकग्रन्थ: <ol style="list-style-type: none"> १. वैदिक व्याकरण, उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, २००३ २. वैदिक व्याकरण, राम गोपाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ३. Nighantu and the Nirukta (Critically Edited with English Tr.), Lakshman Swaroop, MLBD, Delhi, 1967 ४. Vedic Mythology (Vaidika Devashastra), AA Macdonell, MLBD, Delhi, 1962 		

सेमेस्टर-01: द्वितीय पत्र		आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क
साहित्यशास्त्र : साहित्यदर्पण		
इकाई ०१:	प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद : काव्यप्रयोजन, काव्यस्वरूप, काव्यलक्षण, गुणदोष स्वरूप, पदवाक्य लक्षण, शब्दशक्तियां	२०
इकाई ०२:	तृतीय परिच्छेद : रस-भाव निरूपण, नायक-नायिका विवेचन	२०
इकाई ०३:	चतुर्थ परिच्छेद : ध्वनिकाव्य, गुणीभूतव्यञ्ज काव्य, चित्रकाव्य	२०
इकाई ०४:	पञ्चम एवं षष्ठ परिच्छेद : व्यञ्जना वृत्ति व्यवस्थापन, दृश्य एवं श्रव्य काव्य निरूपण	१५
मूल ग्रन्थ: <ol style="list-style-type: none"> १. साहित्यदर्पण-विश्वनाथ, शालिग्राम शास्त्री (व्या.), मोतीलाल बनारसीदास, २००४ २. साहित्यदर्पण-विश्वनाथ, निरूपणविद्यालंकार (व्या.), साहित्य भण्डार, मेरठ 		

सहायकग्रन्थ :

1. काव्यतत्त्व समीक्षा, नरेंद्र नाथ चौधरी
2. History of Sanskrit Poetics (also Hindi tr.), SK Dey, Firma KLM Pvt. Ltd., Calcutta, 2nd Edition, 1960, Reprint 1976
3. History of Sanskrit Poetics (also Hindi tr.), PV Kane, MLBD, Delhi, 2002
4. Comparative Aesthetics (Swatantra KalaShastra), KC Pandey, Chaukhamba Sanskrit, Series Office, Varanasi, 1972

सेमेस्टर-01: तृतीय पत्र

आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क

साहित्य : मुद्राराक्षस, मेघदूत

इकाई ०१:	मुद्राराक्षस : प्रथम से चतुर्थ अङ्क- अनुवाद, पद्यों की व्याख्या, समालोचनात्मक प्रश्न , व्याकरणात्मक टिप्पणियां, संक्षिप्त टिप्पणियां	२०
इकाई ०२:	मुद्राराक्षस : पञ्चम से सप्तम अङ्क- अनुवाद, पद्यों की व्याख्या, समालोचनात्मक प्रश्न , व्याकरणात्मक टिप्पणियां, संक्षिप्त टिप्पणियां	२०
इकाई ०३:	पूर्वमेघ : पद्यों का अनुवाद, व्याख्या, कालिदास समीक्षा, कथास्रोत, समालोचनात्मक प्रश्न	२०
इकाई ०४:	उत्तरमेघ : पद्यों का अनुवाद, व्याख्या, कालिदास समीक्षा, कथास्रोत, समालोचनात्मक प्रश्न	१५

मूलग्रन्थ :

1. मुद्राराक्षसम्, जगदीश चन्द्र मिश्र (व्या.), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
2. मुद्राराक्षसम्, रमाशंकर त्रिपाठी (व्या.), वाराणसी
3. Mudrarakshasam with Eng. Tr., MR Kale, MLBD, Delhi
4. मेघदूतम्, (व्या.), रमाशंकर त्रिपाठी एवं जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
5. मेघदूतम्, मोहन देव पन्त और संसार चन्द्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, २००३

सहायकग्रन्थ:

1. Sanskrit Drama, AB Keith (अनुवादक-उदयभानु सिंह), MLBD, 1965
2. महाकवि शूद्रक, रमाशंकर त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
3. मेघदूतः एक पुरानी कहानी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर-01: चतुर्थ पत्र		आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता			
इकाई ०१:	संस्कृति एवं सभ्यता की परिभाषा एवं स्वरूप, वैदिक एवं उत्तरवैदिककालीन सभ्यता एवं संस्कृति, भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की विशेषताएं	२०	
इकाई ०२:	रामायणकालीन, महाभारतकालीन, महाकाव्यकालीन एवं पुराणकालीन सभ्यता एवं संस्कृति	२०	
इकाई ०३:	निम्नलिखित विषयों के विशेष सन्दर्भ में भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का अध्ययन : वर्णाश्रम-व्यवस्था, पुरुषार्थ-चतुष्टय, संस्कार, विवाह, प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली, प्राचीन भारत में नारी एवं दलितों की स्थिति	२०	
इकाई ०४:	बौद्ध, जैन, वैष्णव एवं शैव धर्मों का उद्भव एवं विकास	१५	
सहायकग्रन्थ सूची : <ol style="list-style-type: none"> 1. भारतस्य सांस्कृतिकनिधिः, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली 2. वैदिक साहित्य और संस्कृति, बलदेव उपाध्याय, शारदा मंदिर, वाराणसी 3. भारतीय संस्कृति का उत्थान, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, दिल्ली 4. धर्मशास्त्र का इतिहास, पी.वी. काणे, उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ 5. प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता, डी.डी. कौशाम्बी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 6. भारतीय संस्कृति : कुछ विचार, सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली 7. Glories of India, PK Achary 8. The Wonder that was India, AL Basham 			

सेमेस्टर-०२: पञ्चम पत्र		आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क	
दर्शन : न्याय एवं वेदान्त			
इकाई ०१:	तर्कभाषा : प्रमाण- प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, अर्थापत्ति एवं अनुपलब्धि का स्वरूप एवं तद्विषयक विप्रतिपत्तियां और उनका समाधान, प्रामाण्यवाद	२०	
इकाई ०२:	तर्कभाषा: प्रमेय निरूपण, संशय, प्रयोजन, दृष्टांतसिद्धान्त, अवयव, तर्क, निर्णय, वाद, जल्प, वितण्डा एवं हेत्वाभास	२०	
इकाई ०३:	वेदान्तसार : अधिकारी, अनुबंधचतुष्टय निरूपण, अध्यारोप, अज्ञान का स्वरूप और अज्ञान की शक्तियां, प्रपञ्च निरूपण	२०	
इकाई ०४:	वेदान्तसार : चैतन्य निरूपण, सृष्टिप्रक्रिया एवं पञ्चीकरण, आत्मस्वरूप, अपवाद, महावाक्य, वृत्तियाँ-श्रवण, मनन, निदिध्यासन एवं समाधि, जीवनमुक्ति एवं विदेहमुक्ति	१५	
मूलग्रन्थ: <ol style="list-style-type: none"> 1. तर्कभाषा-केशव मिश्र, आचार्य बद्रीनाथशुक्ल (व्या.), मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी, १९६८ 2. तर्कभाषा-केशव मिश्र, श्रीनिवास शास्त्री (व्या.), साहित्य भण्डार, मेरठ, १९७२ 3. वेदान्तसार-सदानन्द, आचार्य बद्रीनाथशुक्ल (व्या.), मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी, १९७९ 			

4. वेदान्तसार-सदानन्द, राममूर्ति शर्मा (व्या.), ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, २००१

सहायकग्रन्थः

1. भारतीय न्याय शास्त्रः एक अध्ययन, ब्रह्ममित्र अवस्थी, इन्दु प्रकाशन, दिल्ली, १९६७
2. History of Indian Philosophy, S.N. Das Gupta, MLBD, Delhi, 1975
3. Indian Philosophy, S. Radhakrishnan, OUP, Delhi, 1990

सेमेस्टर-०२ : षष्ठ पत्र

आन्तरिक मूल्याङ्कनः २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क

व्याकरण : लघुसिद्धान्तकौमुदी

इकाई ०१:	सुबन्त प्रकरण-अजन्तपुल्लिङ्ग से हलन्त नपुंसकलिङ्ग तक	२०
इकाई ०२:	तिङन्त (भ्वादयः, अदादयः, जुहोत्यादयः, तुदादयः)	२०
इकाई ०३:	तिङन्त (रुधादयः, तनादयः, क्रधादयः, चुरादयः) णिजन्त (ण्यन्तप्रक्रिया, सन्नतप्रक्रिया, यङन्तप्रक्रिया, यङ्लुक्प्रक्रिया)	२०
इकाई ०४:	अपत्याधिकार, रक्ताद्यर्थकाः, चातुरर्थिकाः, शैषिकाः, स्त्रीप्रत्यय	१५

मूलग्रन्थ :

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, धरानन्द शास्त्री (व्या.), मूल एवं हिन्दी व्याख्या, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली

सहायक ग्रन्थ :

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी-भैमी व्याख्या (भाग-१-६), भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
2. व्याकरण चन्द्रोदय (भाग १-३), चारूदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली
3. लघुसिद्धान्तकौमुदी-प्रकाशिका नाम्नी हिन्दी व्याख्या सहिता, सत्यपाल सिंह, शिवालिक पब्लिकेशन्स, दिल्ली
4. The Laghusiddhantkaumudi of Varadaraja, Vol. 01 & 02, Kanshiram, MLBD, 2011

साहित्य : नैषधीयचरितम्, उत्तररामचरितम्

इकाई ०१:	नैषधीयचरितम्-प्रथम सर्ग : कथा स्रोत, अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, व्याकरणात्मक टिप्पणियां	२०
इकाई ०२:	नैषधीयचरितम्-द्वितीय सर्ग : कथा स्रोत, अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, व्याकरणात्मक टिप्पणियां	२०
इकाई ०३:	उत्तररामचरितम्-प्रथम अङ्क से तृतीय अङ्क पर्यन्त : पद्यों का अनुवाद, व्याख्या, चरित्र चित्रण, नाट्यतत्त्व समीक्षा, अभिनय शैली	२०
इकाई ०४:	उत्तररामचरितम्-चतुर्थ अङ्क से सप्तम अङ्क पर्यन्त पद्यों का अनुवाद, व्याख्या, चरित्र चित्रण, नाट्यतत्त्व समीक्षा, अभिनय शैली	१५

मूलग्रन्थ :

1. नैषधीयचरितम्-श्रीहर्ष, दीपशिखा टीका, रामनारायणलाल वेणी प्रसाद, इलाहाबाद
2. नैषधीयचरितम्-श्रीहर्ष, मोहन देव पन्त (व्या.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. नैषधीयचरितम्-श्रीहर्ष, शेषराज शर्मा रेग्मी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, १९८३
4. उत्तररामचरितम्-भवभूति, आनन्दस्वरूप, जनार्दन शास्त्री पाण्डेय (व्या. एवं सम्पा.), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
5. उत्तररामचरितम्-भवभूति, रमाकान्त त्रिपाठी, वाराणसी, १९९३
6. Uttarramacharitam, MR Kale, MLDD, Delhi, 1962
7. Uttarramacharitam, PV Kane, MLDD, Delhi, 1962

सहायक ग्रन्थ :

1. नैषध समीक्षा, देव नारायण झा, नागपब्लिशर्स, दिल्ली, २००१
2. नैषधीयचरित चर्चा, महावीर प्रसाद द्विवेदी, गंगापुस्तकमाला कार्यालय, लखनऊ, १९५२
3. नैषधीयचरित का अभिनव समीक्षात्मक एवं व्याख्यात्मक अध्ययन, शिक्षकप्रकाशन, कानपुर, १९८१
4. भवभूति के नाटक, ब्रजवल्लभ शर्मा, मध्य-प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल, १९७३
5. भवभूति और उनका उत्तररामचरितम्, रामाश्रय शर्मा, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, १९९७
6. Bhawabhooti: His Life and Literature, SV Dikshit, CPP, Belgaun, 1958
7. The Sanskrit Drama, AB Keith, OUP, 1964
8. Bhawabhooti: His Date, Life and Works, BB Mirashi, MLBD, Delhi 1974

सेमेस्टर-०२: अष्टम पत्र		आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क
संस्कृत साहित्य सर्वेक्षण		
इकाई ०१:	वैदिक साहित्य, रामायण, महाभारत, पुराण	२०
इकाई ०२:	महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य, नीतिकाव्य, स्तोत्रकाव्य	२०
इकाई ०३:	गद्य तथा चम्पू साहित्य	२०
इकाई ०४:	दृश्य काव्य : रूपक के भेद तथा प्रमुख संस्कृत नाटककार	१५
सहायकग्रन्थ सूची : <ol style="list-style-type: none"> 1. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी 2. वैदिक साहित्य और संस्कृति, बलदेव उपाध्याय, वाराणसी 3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर 4. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी 5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 6. M. Krishnamachariar, History of Classical Sanskrit Literature, Motilal Banarsidass, Delhi. 7. History of Sanskrit Literature, A.B. Keith, Motilal Banarsidass, Delhi 8. Gaurinath Shastri, A Concise History of Sanskrit Literature, Motilal Banarsidass, Delhi 9. Maurice Winternitz, Indian Literature (Vol. I-III), Motilal Banarsidass, Delhi. 		

सेमेस्टर-०३: नवम		आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क
भाषाविज्ञान		
इकाई ०१:	भाषाविज्ञान का परिचय, भाषाओं का वर्गीकरण, भाषाओं के वर्गीकरण में संस्कृत का स्थान	२०
इकाई ०२:	भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय, मूल भारोपीय भाषा की विशेषताएँ और उनकी शाखाएँ, मूल भारोपीय भाषा से संस्कृत का विकास, संस्कृत और तुलनात्मक भाषा विज्ञान	२०
इकाई ०३:	अवेस्ता एवं वैदिक संस्कृत की विशेषताएँ एवं अन्तःसम्बन्ध, वैदिक संस्कृत-लौकिक संस्कृत-प्राकृतभाषाओं की विशेषताएँ एवं उनका अन्तःसम्बन्ध	२०
इकाई ०४:	संस्कृत ध्वनियों का वर्गीकरण, संस्कृत के स्वनिम, संस्कृत के ध्वनिगुण, ध्वनिपरिवर्तन के कारण, प्रमुख ध्वनि नियम, संस्कृत की विभिन्न ध्वनियों का विकास, संस्कृत की पदरचना तथा वाक्य संरचना, शब्दशक्तियाँ तथा वाक्यार्थविषयक भारतीय सिद्धान्त, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और उनके कारण	१५
सहायकग्रन्थसूची : <ol style="list-style-type: none"> 1. भाषाविज्ञान की भूमिका, आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2. भाषाविज्ञान-कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 		

3. भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी , किताब महल ,इलाहाबाद , १९९२
4. तुलनात्मक भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, १९७४
5. भाषाविज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी
6. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, विश्वविद्यालय प्रकाशन ट्रस्ट ,वाराणसी
7. सामान्य भाषाविज्ञान, बाबुराम सक्सेना ,हिन्दी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग, उ.प्र.
8. Linguistic Introduction to Sanskrit, V.K. Ghosh, Sanskrit Pustak, Calcutta
9. An Introduction to Sanskrit Linguistics, M. Shreeman Narayan Moorthy, VK Publication, Delhi, 1984
10. Elements of Science of Language, Taraporewala, Calcutta University Press, Calcutta, 1962

सेमेस्टर-०३: दशम पत्र

आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क

साहित्य : कादम्बरी

इकाई ०१:	कादम्बरी परिचय, उज्जयिनी वर्णन से अनपत्यता दुःख वर्णन तक- अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, गद्यशैली	२०
इकाई ०२:	विलासवती वर्णन से इन्द्रायुध वर्णन तक- अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, गद्यशैली	२०
इकाई ०३:	चन्द्रापीडविद्यानिर्गमन से मृगयावृत्तान्त तक- अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, गद्यशैली	२०
इकाई ०४:	पत्रलेखा वर्णन से महाश्वेता वर्णन तक (शुकनाशोपदेश को छोड़कर)- अनुवाद, व्याख्या, समालोचना, गद्यशैली	१५

मूलग्रन्थ:

1. कादम्बरी-बाणभट्ट, जयशंकर लाल त्रिपाठी (सम्पा. एवं व्या.), कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, १९९३
2. कादम्बरी-बाणभट्ट, धर्मेन्द्र नाथ शास्त्री, प्रकाशन केन्द्र, सीतापुर रोड, लखनऊ
3. Kadambari, PV Kane, Oriental Book Agency, Pune

सहायक ग्रन्थ :

1. कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन, वासुदेव शरण अग्रवाल, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, १९७०
2. बाणभट्ट का साहित्यिक अनुशीलन, अमर नाथ पाण्डेय, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, १९७४
3. कादम्बरी का काव्यशास्त्रीय अध्ययन, राजेश्वरी भट्ट, पब्लिकेशन स्कीम, जयपुर
4. Introduction to the Study of Bana and his Kadambari, GV, Devasthali, Bombay
5. Ban, RD Karmakar, Karnatak University, Dharawad

सेमेस्टर-०३: एकादश पत्र (विकल्प ०२) आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क		
साहित्यशास्त्र : काव्यप्रकाश		
इकाई ०१:	काव्यप्रकाश: काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यलक्षण, काव्यभेद, शब्दार्थस्वरूप, तात्पर्यार्थ, अभितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, अभिधा एवं संकेतग्रह सिद्धान्त	२०
इकाई ०२:	काव्यप्रकाश: लक्षणानिरूपण और लक्षणा के भेद, व्यंजनानिरूपण	२०
इकाई ०३:	काव्यप्रकाश: अर्थव्यंजकता और ध्वनि निरूपण	२०
इकाई ०४:	काव्यप्रकाश: गुणीभूतव्यंग्य विवेचन और चित्र काव्य	१५
<p>मूल ग्रन्थ :</p> <ol style="list-style-type: none"> काव्यप्रकाश-बालाबोधिनी टीका, वामन झलिककर, सम्पा. रघुनाथ करमकर, भण्डारकर ओरिएण्टल इंस्टिट्यूट, पूना, १९३३ काव्यप्रकाश, व्या. आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, सम्पा. डॉ. नगेन्द्र, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, १९६० <p>सहायकग्रन्थ :</p> <ol style="list-style-type: none"> काव्यप्रकाश-विवेकानुशीलन, डॉ. गिरीश चन्द्र पन्त, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली, २००१ ध्वनिप्रस्थान में आचार्य मम्मट का अवदान, डॉ. जगदीश चन्द्र शास्त्री, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, शोध प्रकाशन, वाराणसी, १९७७ 		

सेमेस्टर-०३: द्वादश पत्र (विकल्प ०२) आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क		
साहित्यशास्त्र : ध्वन्यालोक १-२ उद्योत		
इकाई ०१:	ध्वन्यालोक: आनन्दवर्धन की ध्वनि विषयक स्थापना, ध्वनिविरोधी विमतियों का निराकरण, वाच्य एवं प्रतीयमान अर्थ, त्रिविध ध्वनि-वस्तु-अलंकार और रस	२०
इकाई ०२:	ध्वन्यालोक: ध्वनि का काव्यात्मत्व, ध्वनि काव्य का लक्षण, अलंकारों में ध्वनि के अन्तर्भाव का निराकरण, लक्षणा व्यापर और व्यंजना व्यापार का भिन्न विषयत्व	२०
इकाई ०३:	ध्वन्यालोक: ध्वनिभेद, भट्टनाटक एवं अन्य आचार्यों के मतों की समीक्षा	२०
इकाई ०४:	ध्वन्यालोक: रसादि अलंकारों का विषय, गुण व अलंकार का लक्षण, गुणस्वरूप, विवक्षितान्यपरवाच्यध्वनि, अलंकारध्वनि की प्रयोजनवत्ता	१५
<p>मूल ग्रन्थ :</p> <ol style="list-style-type: none"> ध्वन्यालोक-आनन्दवर्धन, अभिनवगुप्त लोचन तथा तारावती हिन्दी व्याख्या, राम सागर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, १९७३ ध्वन्यालोक-आनन्दवर्धन, अभिनवगुप्त लोचन टीका तथा प्रकाश व्याख्या सहित, जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, विक्रम सं. २०२१ <p>सहायकग्रन्थ :</p> <ol style="list-style-type: none"> भारतीय साहित्यशास्त्र, गणेश त्रयम्बक देशपाण्डेय, मुम्बई, १९६० Aesthetics Experience according to Abinava Gupta, Gnoli & Ranero, Chaukhamba Series 		

सेमेस्टर-०४: त्रयोदश पत्र		आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क
निबन्ध और अनुवाद		
इकाई ०१:	अनुवाद : संस्कृत भाषा में अनुवाद करने के नियम (कारक एवं विभक्ति सम्बन्धी, वाच्यपरिवर्तन-कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य एवं भाववाच्य), शतृ, शानच्, क्त, क्तवत्, कृत्य आदि प्रत्ययों का प्रयोग	२०
इकाई ०२:	अनुवाद : अपठित संस्कृत गद्यांश/पद्यांश	२०
इकाई ०३:	अनुवाद : हिन्दी/अंग्रेजी से संस्कृत में अनुवाद	२०
इकाई ०४:	निबन्ध : निबन्ध लेखन कला एवं इसके तत्त्व, वैकल्पिक विषयों पर निबन्ध (वेद, साहित्य, दर्शन इत्यादि विषय), समसामयिक विषयों पर निबन्ध (राजनीति, मनोरंजन, क्रीडा इत्यादि विषय)	१५
सन्दर्भ ग्रन्थ :-		
<ol style="list-style-type: none"> १. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका, चक्रधर नौटियाल 'हंस', मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली २. प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ३. वादः खण्ड १ एवं २, मुक्त स्वाध्याय पीठम्, राष्ट्रियसंस्कृत संस्थानम्, नई दिल्ली, २०१५ ४. रचनाअनुवाद कला अथवा वाग्व्यवाहारादर्श, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ५. संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ६. संस्कृत निबन्धावली, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी ७. The Students Guide to Sanskrit Composition, V.S. Apte, Chaukhmba Sanskrit Series Office, Varanasi ८. Higher Sanskrit Grammar, M. R. Kale, MLBD, Delhi 		

भारतीय इतिहास दृष्टि एवं कालविज्ञान

इकाई ०१:	कालविज्ञान के घटक तत्त्व: संवत्सरविज्ञान, अयनविज्ञान, ऋतुविज्ञान, मास, पक्ष, तिथिविज्ञान, वारविज्ञान, नक्षत्रविज्ञान, वैदिककाल में नक्षत्रादि	२०
इकाई ०२:	इतिहासलेखन : इतिहास के विषय, विस्तार और पद्धति, इतिहास के साधन और मर्यादाएँ, इतिहास लेखन की समस्याएँ एवं समाधान (ऐतिहासिक, साहित्यिक, वैज्ञानिक, माइथोलॉजी एवं इतिहास), प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत (साहित्यिक साक्ष्य- धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य; विदेशी यात्रियों के विवरण- यूनानी-रोमन लेखक, चीनी लेखक, अरबी लेखक; पुरातत्त्व सम्बन्धी साक्ष्य), मनुष्य की जन्मभूमि, आर्यों के मूलनिवास के सम्बन्ध में विभिन्नमत, सप्तसिन्धुवाद, आर्यभाषाओं का उद्गम, प्रसिद्ध तथा महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों तथा लेखकों का काल निर्धारण, तिलक का 'ओरायन या वैदिक प्राचीनता की खोज', सूर्यसिद्धान्त	२०
इकाई ०३:	वेधप्रकरण: भारत में वेध परम्परा, कालमापक यन्त्र (नाडीवल्य यन्त्र, बृहत्सम्राट्-पलभा यन्त्र, शङ्कु यन्त्र, धीयन्त्र, चक्रयन्त्र, क्रान्तिवृत्त यन्त्र, तुरीय यन्त्र, कर्कराशिवलय यन्त्र, मकरराशिवलय यन्त्र, उन्नतांश यन्त्र, षष्ठ्यंश यन्त्र)	२०
इकाई ०४:	प्रमुख भारतीय गणितज्ञ (परिचय एवं योगदान) : लगधमुनि, बौधायन, आपस्तम्ब, आर्यभट्ट-प्रथम, वराहमिहिर, भास्कर-प्रथम, आर्यभट्ट-द्वितीय, ब्रह्मगुप्त, लल्लाचार्य, महावीराचार्य, भास्कर-द्वितीय, नीलकंठ सोमयाजी, शंकर वारियार, शंकर बालकृष्ण दीक्षित, पं. सुधाकर द्विवेदी, भारती कृष्ण तीर्थ	१५

ग्रन्थ सूची:

- हिन्दू सभ्यता, राधाकुमुद मुखर्जी (हिन्दी अनुवाद-वासुदेवशरण अग्रवाल), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, १९९५
- प्राचीन भारत का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास, धनपति पाण्डेय और अशोक अनन्त, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- प्राचीन भारत का इतिहास, रमा शंकर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- धर्मशास्त्र का इतिहास-चतुर्थ भाग, पाण्डुरङ्ग वामन काणे (हिन्दी अनुवाद-अर्जुन चौबे कश्यप), उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, १९९६
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी, १९९४
- संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, १९९१
- भारतीय गणितज्ञ, अनन्त व्यवहारे, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, २०११
- भारतीय व्रतोत्सव, पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, १९८८
- पञ्चाङ्ग-गणितम्, कल्याणदत्त शर्मा, वेदमाता गायत्री ट्रस्ट, हरिद्वार, सवत् २०६२
- भारतीयज्योतिष (शंकर बालकृष्ण दीक्षित की मराठी पुस्तक का हिन्दी अनुवाद), शिवनाथ झारखण्डी, उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, २००२
- ज्योतिर्विज्ञान की वेधशाला, कल्याणदत्त शर्मा, वेदमाता गायत्री ट्रस्ट, हरिद्वार, सवत् २०६१
- वैदिक-विज्ञान, गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, २००५
- The Orion or Researches into The Antiquity of the Vedas, Bal Gangadhar Tilak, Messrs Tilak Bros, Poona City
- The Wonder That was India, AL, Basham
- How to Read History, Archibald Robertson, London, 1952

सेमेस्टर-०३: पञ्चदश पत्र (विकल्प ०२) आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क		
साहित्यशास्त्र: वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष)		
इकाई ०१:	काव्य प्रयोजन, अलंकरणस्वरूप, काव्यलक्षण, वाच्यस्वरूप, वाचकस्वरूप	२०
इकाई ०२:	वक्रोक्ति का स्वरूप, वक्रोक्ति का लक्षण, अलंकार्यस्वरूप, 'सहितौ' (शब्दार्थौ) का विचार, साहित्य का विचार, साहित्य का स्वरूप	२०
इकाई ०३:	वक्रताप्रकार-वर्णविन्यासवक्रता, पदपूर्वाद्धवक्रता, प्रत्ययाश्रितवक्रता (पदपराद्धवक्रता), वाक्यवक्रता, प्रकरणवक्रता, प्रबन्धवक्रता	२०
इकाई ०४:	बन्ध का स्वरूप, तद्विदाहादकारित्व, काव्यमार्ग - सुकुमार, विचित्र, मध्यम, त्रिविध मार्गों के गुण	१५
मूल ग्रन्थ :		
1. वक्रोक्तिजीवितम्-कुंतक, विश्वेश्वरसिद्धान्त शिरोमणि, हिन्दी अनुसन्धान परिषद्, दिल्लीविश्वविद्यालय, दिल्ली, १९५५		
2. वक्रोक्तिजीवितम्-कुंतक, वेदप्रकाश डिंडोरिया (व्या.), शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली, २०१६		
सहायकग्रन्थ :		
1. History of Sanskrit Poetics, SK De, KLM Pharma Pvt. Ltd., Calcutta, 1976		

सेमेस्टर-०३: षोडश पत्र (विकल्प ०२) आन्तरिक मूल्याङ्कन: २५ अङ्क (प्रायोजना कार्य १५ अङ्क, कक्षा परीक्षा १०), सत्र परीक्षा: ७५ अङ्क		
संस्कृत साहित्यशास्त्र का सर्वेक्षण		
इकाई ०१:	प्रारम्भिक काल : प्रारम्भ से भामह तक	२०
इकाई ०२:	रचनात्मक काल : भामह से आनन्दवर्धन तक	२०
इकाई ०३:	निर्णयात्मक काल : आनन्दवर्धन से मम्मट तक	२०
इकाई ०४:	व्याख्या काल : मम्मट से विश्वेश्वर पाण्डेय तक	१५
ग्रन्थ सूची:		
1. History of Sanskrit Poetics, SK De, KLM Pharma Pvt. Ltd., Calcutta, 1976		
2. History of Sanskrit Poetics, PV Kane, MLBD, Delhi, 1976		
3. संस्कृत साहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी		
4. Studies on Some Concepts of Alankarshastra, V Raghavan, Adyar Library, Madras		
5. Comparative Aesthetics, KC Pandey, Chaukhambaa Varanasi		

नोट: विकल्प १, ३, ४ और ५ आगामी वर्षों में छात्रों की संख्या के आधार पर निर्धारित होंगे। प्रारम्भ में केवल साहित्यशास्त्र ही एम.ए. उत्तरार्द्ध में दिया जाएगा।